

Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to open colleges and Universities, due to decline in corona cases and release student leaders from jail.

कुंवर दानिश अली (अमरोहा): सभापति महोदय, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा यहाँ उठाने के लिए खड़ा हूँ। जैसा कि सरकार ने किसानों के विरोध के चलते कृषि कानून वापस लिये, वैसे ही एम.एस.पी. पर भी किसानों के लिए कानून लाना चाहिए। ... (व्यवधान)

माननीय सभापति: आपने दूसरे विषय का नोटिस दिया है, उसी पर बोलिए। आपका विषय 'कोविड-19 के कारण बंद हुए महाविद्यालय इत्यादि' है। आप उसी विषय पर बोलिए।

... (व्यवधान)

कुंवर दानिश अली : सर, मेरे दोनों विषय थे।... (व्यवधान)

माननीय सभापति: नहीं, आप अपने विषय पर बोलिए।

... (व्यवधान)

कुंवर दानिश अली : सर, ठीक है। मैं दूसरे विषय पर आता हूँ।... (व्यवधान)

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह माँग करता हूँ कि कोविड-19 के चलते स्कूल्स और विश्वविद्यालय बंद हुए थे। अभी स्कूल्स खुल गए, सारे ऑफिसेस खुल गए, लेकिन जहाँ पर देश का भविष्य तय होता है, जहाँ पर ओपन स्पेस होता है, विश्वविद्यालय अभी तक बंद हैं।... (व्यवधान) खासतौर पर ऐसे विश्वविद्यालय, जिसमें जामिया मिलिया इस्लामिया हो, जे.एन.यू. हो, अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी हो, जहाँ के छात्रों ने इस देश को रोशनी दिखाई थी।... (व्यवधान) वहाँ के कई छात्र नेताओं को यू.ए.पी.ए. के तहत गलत मुकदमें लगाकर जेलों में बंद करके रखा है। उनको छोड़ा जाए।... (व्यवधान)

کنور دانش علی (امروہ): محترم چیرمین صاحب، میں ایک بہت اہم مدعہ یہاں اٹھانے کے لئے کھڑا ہوا ہوں۔ جیسا کہ کسانوں کی مخالفت کے چلتے سرکار نے کسان بل واپس لئے ہیں، ویسے ہی ایم۔ایس۔پی۔ پر بھی کسانوں کے لئے قانون لانا چاہئیے۔ (مداخلت)۔ جناب، میں دوسرے موضوع پر آتا ہوں (مداخلت)۔

چیرمین صاحب، میں آپ کے ذریعہ سرکار سے یہ مانگ کرتا ہوں کہ کووڈ 19- کے چلتے اسکولز اور یونیورسٹیز بند ہوئے تھے، ابھی اسکولز کھل گئے ہیں، سارے آفسز کھل گئے، لیکن جہاں پر ملک کا مستقبل طے ہوتا ہے، جہاں پر اوپن اسپیس ہوتا ہے، یونیورسٹیز ابھی تک بند ہیں۔ خاص طور سے ایسی یونیورسٹیز جس میں جامعہ ملیہ اسلامیہ، ہو، جے۔این۔یو۔ ہو، علی گڑھ مسلم یونیورسٹی ہو جہاں کے طالب علموں نے ملک کو روشنی دکھائی تھی (مداخلت)۔ وہاں کے کئی طالب علموں کو یو۔اے۔ پی۔اے۔ کے تحت غلط مقدمہ لگا کر جیلوں میں بند کر کے رکھا ہے۔ ان کو چھوڑا جائے۔ (مداخلت)۔۔۔۔